Roll No.: .....

Total No. of Questions : 5] [Total No. of Printed Pages : 1

W-3444

M.A.(Fourth Semester) Examination, June-2020

SANSKRIT

Paper - 420

Rajshekhar

Time : Three Hours

Maximum Marks : 85 (For Regular Students) ***Maximum Marks : 100 (For Private Students)***

Minimum Pass Marks : 29 ***Minimum Pass Marks : 34***

नोट : सभी प्रश्न **अनिवार्य** हैं।

इकाई–I

Q.1. निम्नलिखित पद्यों की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए। 17/20

i) ब्रह्मथ्यः शिवमस्तु वस्तु विततं किञ्चिद् वयं ब्रूमहे
हेसन्तः गृणुतावधत्तं विधतृतो युष्मासु सेवाञ्जतिः।
सत्यं किं विनियोक्ति भर्मम गिरां यद्यस्ति सूक्तामृतं
माद्यन्ति स्वयमेव तत्सुमन सोयाच्यापरं दैन्यभूः।।

ii) सासांरिक वचोभिस्ते सीता विश्लेष जन्मभिः।
द्रवतीव मनो वाष्पैर्विश्वामित्र मुनेरपि।।
इन्दुर्लिप्त इवाञ्जनेन जडितादृष्टिर्मृगीणामिव
प्रम्लानारूणिमेव विद्रुमलताश्यामेव हेमद्युतिः।
पारूष्यं कलया च कोकि लवघूकण्ठेष्विवप्रस्तुतं
सीतायाः पुरतश्च हन्तशिखिनां बर्हा सगर्हा इव।।

इकाई–II

Q.2. अ) बालरामायण के आधार पर सीता का चरित्र चित्रण कीजिए। 17/20

ब) राजशेखर की शैली पर प्रकाशडालिए।

इकाई–III

Q.3. निम्नलिखित पद्यों की व्याख्या कीजिए। 17/20

i) समन्तात् समुतरीत वृन्दं
नरेन्द्राणाम् कथमहं
पूर्विकया सर्व एवं
धनुरारोपचितु संरभन्ते।

ii) नाले शौर्य महोत्पलस्य विपुले से तौसामिद्वारिधेः
शश्वत खड्ग भुजंग चन्दनतरौ क्रीडोपधाने श्रियः।
आलाने जय कुंजरस्य सदृशां कन्दर्पे दर्पेचिरं
श्री दुर्योधन दोष्णि विक्रमघनेलीनं गजनन्दति।।

इकाई–IV

Q.4. अ) निम्नलिखित की व्याख्या कीजिए। 17/20

i) बव पातव्या ज्योत्सा भृतभुवन गर्भाऽपि।
तृषितै मृणाली तन्तुभ्यः सिचय रचनाकुत्रभवतु।।
क्ववा पार्यामेयोबत बकुलदाम्ना परिमलः।
कथं स्वप्नः साक्षात् कुवलययदृशं कल्पयतुताम्।।

ब) बिद्धशाल भंजिका का सारांश लिखिए।

इकाई–V

Q.5. अ) निम्नांकित की व्याख्या कीजिए। 17/20

माणं मुंचध देह वल्लहूजणे दिट्टि तरंगुत्तरं
तारूण्णं दिअहाय पंच दहवा पीणत्यणत्यभणं।
इत्यं कोइल मंजुसिजणमिसा देअस्य पंचेसुणो
दिणा चिण्मदूसवेण मुअणे आणत्व संत्वकसा।।

ब) उपर्युक्त पद्यों में से किसी एक की संस्कृत छाया लिखिए।